

**मुमूर्षा** स्त्री. (तत्.) 1. मृत्यु की कामना करने वाला 2. मरण-प्रवृत्ति मनो. अपने आप को नष्ट करने की इच्छा और दूसरों को दुख देने का विकृत मानसिक स्वभाव।

**मुमूर्षु** वि. (तत्.) 1. जिसकी मृत्यु का समय समीप आ गया हो, जो शीघ्र ही मरने वाला हो 2. मरने का इच्छुक।

**मुयस्सर** वि. (अर.) दे. मयस्सर।

**मुरंडा** वि. (देश.) भूने गेहूँ में गुड़ मिलाकर बना लड्डू मुहा. मुरंडा करना या बनाना- भूनना, गठरी के समान बना देना, बहुत मारना या पीटना।

**मुरंदा** वि. (देश.) दे. मुरंडा।

**मुर** पुं. (तत्.) 1. एक राक्षस जिसका अंत श्रीकृष्ण ने किया था 2. वेष्टन।

**मुरई** स्त्री. (देश.) दे. मूली।

**मुरक** स्त्री. (देश.) दे. मुड़क।

**मुरकना** स.क्रि. (देश.) दे. मुड़कना।

**मुरका** पुं. (देश.) 1. हाथी जो विशालकाय हो तथा जिसके दांत बड़े-बड़े और सुंदर-आकर्षक हो 2. वह भोजन जो गडेरियों की जाति में किया जाता है।

**मुरकाना** स.क्रि. (देश.) दे. मुड़काना।

**मुरकी** स्त्री. (देश.) कान में पहने जाने वाली छोटी बाली संगीत. एक स्वर से दूसरे स्वर की ओर आने की विशेष प्रक्रिया।

**मुरकुल** स्त्री. (देश.) लता या टहनी का एक प्रकार।

**मुरखाई** स्त्री. (देश.) दे. मूर्खता।

**मुरगा** पुं. (फा.) 1. एक पक्षी प्रजाति का जीव जिसके सिर पर कलगी होती है तथा जो प्रातः काल 'कुक्कू-कूँ' स्वर निकाल कर सबको जगाने के लिए प्रसिद्ध रहा है।

**मुरगाबी** स्त्री. (फा.) पानी में तैरने वाला तथा मछलियाँ खाने वाला मुरगे की जाति का एक पक्षी, जल कुक्कुट।

**मुरगी** स्त्री. (फा.) मादा मुरगा।

**मुरचंग** पुं. (देश.) लोहे का बना पुराना बाजा जिसे मुँह से फूँककर बजाया जाता है, मुँहचंग।

**मुरचा** पुं. (फा.) दे. मोरचा।

**मुरची** पुं. (तद्.) एक प्राचीन देश जिसका संबंध पश्चिम दिशा से माना जाता है।

**मुरछना** अ.क्रि. (तद्.) 1. बेहोश, अचेत या बेसुध होना 2. कमजोर होना।

**मुरछल** पुं. (तद्.) मोर के पंखों का चँवर।

**मुरछा** स्त्री. (तद्.) दे. मूर्च्छा।

**मुरछाना** अ.क्रि. (तद्.) बेहोश या मूर्च्छित होना स.क्रि. अचेत या मूर्च्छित करना।

**मुरछावंत** वि. (तद्.) दे. मूर्च्छित।

**मुरछित** वि. (तद्.) दे. मूर्च्छित।

**मुरज** पुं. (तद्.) मृदंग, पखावज।

**मुरज-फल** पुं. (तद्.) कटहल।

**मुरजित** पुं. (तत्.) मुरारि।

**मुरझाना** अ.क्रि. (तत्.) 1. जल न मिल पाने के कारण किसी वृक्ष, पौधे, फूल, पत्ते, डंठल आदि का सूख जाना, कुम्हलाना 2. चेहरे या मन से उदास होना 3. शक्तिहीन या कमजोर होना।

**मुरड़** पुं. (तद्.) गर्व, अभिमान, घमंड या अहंकार।

**मुरड़की** स्त्री. (देश.) दे. मरोड़।

**मुरतंग** पुं. (देश.) वृक्ष का एक प्रकार जिसकी लकड़ी बहुत सख्त होती है।

**मुरतकिब** पुं. (अर.) अपराध या गलत कार्य करने वाला, दोषी, अपराधी।

**मुरतहिन** पुं. (अर.) जिसके पास कोई वस्तु गिरवी रखी हो, रेहनदार।

**मुरता** पुं. (देश.) एक प्रकार का झाड़।

**मुरतिद** पुं. (अर.) वह व्यक्ति जो इस्लाम धर्म को त्यागकर काफिर हो गया हो।

**मुरत्तब** स्त्री. (फा.) 1. संभावित मृत्यु की सूचना देने वाले वे चिह्न या विकार जो मुख पर दिखने